Name of publication: Dainik Bhaskar, Samastipur

Date: April 26, 2019

दैनिक भास्कर

ग्रामीणों को सस्ता स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएगा 'माटी फिल्टर'

एक घंटे में मिलेगा एक-डेढ़ लीटर स्वच्छ पानी

पूसा व कल्याणपुर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुम्हार अपना रहे नई तकनीक

सचिन भारद्वाज| पूसा

"इंडियन फ्रीज' के नाम से मशहूर मिट्टी का घड़ा अब ग्रामीणों के लिए "माटी फिल्टर' के रूप में सामने आ रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को सस्ता व स्वच्छ जल उपलब्ध हो पाएगा। बताया जाता है कि इसको लेकर जिले के पूसा व कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुम्हारों को प्रशिक्षण दिया गया था। इसके बाद से वहां इस नई तकनीक से माटी फिल्टर का उत्पादन भी आरंभ कर दिया गया है। पीने के पानी की दिक्कतों के बीच माटी फिल्टर कुम्हार समाज व आम लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मिट्टी के फिल्टर से शोधित जल हर प्रकार से शरीर के लिए फायदेमंद है। बताया जाता है कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर सहगल फाउंडेशन के द्वारा राज्य के चार जिलों समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण व वैशाली जिलों के लगभग 400 गांवों में मिट्टी के फिल्टर बनाने के कार्य किया जा रहा है। बताया जाता है कि यह फिल्टर एक घंटे में एक लीटर स्वच्छ पानी देगा। एक फील्टर की कीमत कीमत 550 रुपए होगी।

मिट्टी, लकड़ी का बुरादा व सफेद बालू से होगा तैयार

पूसा के कैंजिया बिष्णुपुर गांव के श्यामलाल पंडित, मोरसंड के पप्पू पंडित, कल्याणपुर बलभद्रपुर खजुरी के कपिल पंडित व रंगीला पंडित ने 100 से ज्यादा फिल्टर बनाए हैं। श्यामलाल ने बताया कि फिल्टर बनाने में मिट्टी, लकड़ी का बुरादा व सफेद बालू प्रयोग किया जाता है। जिसे एक विशेष मशीन के दबाव से तैयार कर भट्ठी में पकाया जाता है।

मिट्टी से तैयार किया गया फिल्टर।

कम लागत में शुद्ध पानी के लिए उपलब्ध होगा फील्टर

सहगल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इस फिल्टर से कम लागत में शुद्ध पानी उपलब्ध होगा। इसके माध्यम से पानी में मौजूद आवरन, बैक्टीरिया व जीवाणुओं को कम करके पानी को शुद्ध व सुरक्षित बनाता है। यह फील्टर 550 रुपए में ही उपलब्ध होगा। समाज के अंदर कुटीर उद्योग के रूप में मौजूद कुम्हार जाति का मृत पड़ा व्यवसाय इस माटी फिल्टर से जीवित हो उठेगा। बताया जाता है कि बिना बिजली के चलने वाला यह सस्ता वॉटर फिल्टर कुम्हार समुदाय के लिए रोजगार व बेहतर आमदनी उपलब्ध कराएगा।

'MatiKalp' water filter to provide clean water to villagers

Potters in Pusa and Kalyanpur blocks in Samastipur district, Bihar, are creating a new technology for water filtration under a pilot project supported by Department of Science and Technology, GoI and Sehgal Foundation. Terrcotta water filter production units are ready to start production at four potter's homes, trial production has been carried out successfully. Named 'MatiKalp', the filter will provide clean water to villagers at affordable prices.